

## बिहार विधान सभा वादवृत्त ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण ।  
सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि १४ अक्टूबर १९५५ को  
६ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में  
हुआ ।

विधान कार्य : सरकारी विधेयक :

### LEGISLATIVE BUSINESS : OFFICIAL BILLS.

बिहार विधान परिषद् में उद्भूत प्रिजनर्स (बिहार अमेन्डमेन्ट) बिल, १९५५ ।

THE PRISONERS (BIHAR AMENDMENT) BILL, 1955 AS ORIGINATED IN THE  
BIHAR LEGISLATIVE COUNCIL.

श्री शाह मुहम्मद उजैर मुनीमी—मैं प्रस्ताव करता हूँ कि :

बिहार विधान परिषद् में उद्भूत प्रिजनर्स (बिहार अमेन्डमेन्ट) बिल, १९५५ के  
संबंध में विधान परिषद् द्वारा यथा स्वीकृत इस अभिस्ताव पर कि प्रिजनर्स (बिहार  
अमेन्डमेन्ट) बिल, १९५५ को विधान सभा और विधान परिषद् की एक संयुक्त प्रवर  
समिति को सौंपा जाय और उक्त संयुक्त प्रवर समिति ३२ सदस्यों की हो, सभा  
अपनी सहमति दे ।

अध्यक्ष—प्रश्न यह है कि :

बिहार विधान परिषद् में उद्भूत प्रिजनर्स (बिहार अमेन्डमेन्ट) बिल, १९५५ के  
संबंध में विधान परिषद् द्वारा यथा स्वीकृत इस अभिस्ताव पर कि प्रिजनर्स (बिहार  
अमेन्डमेन्ट) बिल, १९५५ को विधान सभा और विधान परिषद् की एक संयुक्त प्रवर  
समिति को सौंपा जाय और उक्त संयुक्त प्रवर समिति ३२ सदस्यों की हो, सभा  
अपनी सहमति दे ।

प्रस्ताव स्वीकृत हो ।

श्री शाह मुहम्मद उजैर मुनीमी—मैं प्रस्ताव करता हूँ कि इस विधान सभा के

निम्नलिखित २४ सदस्य इस संयुक्त प्रवर समिति में शामिल किए जायें :—

- १। श्री बीरचन्द पटेल,
- २। श्री हरिहर प्रसाद सिंह,
- ३। श्री देवेंद्र नाथ महतो,
- ४। श्री सैयद मुहम्मद अकील,
- ५। श्री राजेश्वरी प्रसाद सिंह,
- ६। श्री यमुना राम,
- ७। श्रीमती प्रभावती गुप्ता,
- ८। श्रीमती मनोरमा सिन्हा,
- ९। श्री रघुनन्दन कुमार,
- १०। श्री राम लखन सिंह यादव,
- ११। श्री राम विनोद सिंह,

श्री नन्द किशोर नारायण—क्या यह सही बात है कि यह फॉर्म बहुत अच्छी तरह

चलाया जा रहा है और उसमें काफी जमीन भी है, चूंकि सरकार को फॉर्म चलाने का अनुभव नहीं है इसलिये यदि सरकार इसे ले लेगी तो इसके प्रबन्ध में खराबी आने की सम्भावना है।

श्री दीप नारायण सिंह—फॉर्म चलाने का काफी अनुभव सरकार को है।

श्री हरिवंश सहाय—क्या सरकार यह बताने की कृपा करेगी कि बेतिया राज की सभी चीजें गवर्नमेंट में भेस्ट हैं या नहीं?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—उत्तर नकारात्मक है। बेतिया राज सरकार में भेस्ट कहा गया है, लेकिन बहुत-सी प्राइवेट प्रोपर्टी महारानी की है जो उनके इंतजाम में है।

श्री हरिवंश सहाय—डायरी फॉर्म किसके अंदर में है?

श्री दीप नारायण सिंह—हमने कहा कि बेतिया राज का है लेकिन मैं इसकी तफसील नहीं जानता हूं।

#### BOKARO AS THE SITE FOR PLANT.

274. **Shri TRIVENI KUMAR:** Will the Minister in charge of the Development (Industry) Department be pleased to state the measures which the Bihar Government took to persuade the Union Government to select Bokaro as the site for the plant?

श्री त्रिवेणी कुमार—अल्प-सूचना संख्या २५४ के पूछने के पूर्व में आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस प्रश्न में दो क्लॉजिंग थे जिसमें एक क्लॉज गायब हो गया।

अध्यक्ष—इसके सम्बन्ध में आपको मेरे कार्यालय से पूछना चाहिये था।

श्री त्रिवेणी कुमार—कई बार इस तरह की बात हो चुकी है।

अध्यक्ष—एक ही प्रश्न नहीं बहुत से प्रश्न रहते हैं जिनमें संशोधन करने की

जरूरत होती है और हर एक में अगर पूछा जाय कि क्यों ऐसा हुआ तब तो मुझको काम करना मुश्किल हो जाय। हां, अगर कोई संशोधन है जिसको कोई माननीय सदस्य नहीं चाहते हैं तो मेरे कार्यालय में जाकर देख लें और मुझ से मिलें और जैसा उचित होगा किया जायगा।

श्री त्रिवेणी कुमार—मैंने यह नहीं कहा कि क्यों ऐसा किया गया। आपके

सचिव की तरफ से कल कहा गया कि कोई संशोधन अगर होता है तो मेम्बर को खबर दी जाती है।

अध्यक्ष—मैं इसका जवाब नहीं दे सकता हूँ जब तक कागज़ इस संवध का मेरे पास न हो।

**Shri BIR CHAND PATEL :** The State Government pointed out the advantages of locating the iron and steel plant at Bokaro in a comprehensive memorandum and many letters. All relevant statistical data were supplied to the Soviet Steel team as well as the British Steel team. The representatives of the State Government discussed the advantages of location of an iron and steel plant at Bokaro with both the Soviet Steel team of experts and the steel experts of U. K. A copy of each of the following papers which explain the advantage of location of iron and steel plant at Bokaro as also at Sindri is placed on the Library table.

(1) Government of Bihar Memorandum on the location of the new iron and steel plant.

(2) Government of Bihar Memorandum on location of iron and steel plant (Supplementary paper).

Besides, many other letters to the Government of India at the highest level pointing out the advantages of location of iron and steel plant at Bokaro were sent. The Chief Minister and the Minister of Industries of the State Government also discussed the recommendations of the British Steel experts with the Minister of Industry and Commerce, Government of India.

श्री त्रिवेणी कुमार—हम यह जानना चाहते हैं कि किस स्पेसिफिक रिजिस्ट्रार पर बोकारो डिस्ट्रिक्ट किया गया और बंगाल के साइट को सेलेक्ट किया गया ?

श्री बीर चन्द पटेल—ब्रिटिश टीम ऑफ एक्सपर्ट ने बोकारो को हर दृष्टिकोण से

अधिक उपयुक्त स्थान बताया लेकिन उसमें सबसे बड़ी कमी यह थी कि जबतक एक रेल-कम-रोड पुल दामोदर नदी पर नहीं बनता है तबतक यह संभव नहीं है कि इतने बड़े पैमाने पर किसी कारखाने का उस जगह निर्माण हो और इस तरह के पुल को बनाने में कम-से-कम दो साल लगेंगे। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने दो साल तक इंतजार करना ठीक नहीं समझा इसलिए बोकारो को टेक्निकल और सभी दृष्टिकोणों से अधिक उपयुक्त समझ कर भी उसके बदले में वेस्ट बंगाल के दुर्गापुर को साइट को सेलेक्ट किया।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—मैं जानना चाहता हूँ कि बिहार गवर्नमेंट ने जो रिजिजेंटेशन गवर्नमेंट ऑफ इंडिया को दिया तो उसके लिए कोई टेक्निकल एक्सपर्ट रखा गया था ?

श्री बीर चन्द पटेल—बिहार सरकार ने जितना भी स्टैटिस्टिक्स दिया वह एक्सपर्ट प्रोपीनियन पर दिया मेमोरेण्डम के रूप में। उसी के आधार पर ब्रिटिश टीम ऑफ एक्सपर्ट ने बोकारो को बहुत उपयुक्त माना। इसलिए जहां तक हम लोगों के मेमोरेण्डम में प्लांट्स के निवेदन का संबंध था उसको तो ब्रिटिश टीम ने माना।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—क्या यह बात सही है कि चौथा स्टील प्लांट को यहां लोकेट करने का वादा गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने किया है?

श्री बीर चन्द पटेल—गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने खास तरह से वादा नहीं किया है लेकिन गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के कॉमर्स मिनिस्टर श्री टी० टी० कृष्णामाचारी जब यहां आए थे तो कहा था कि बिहार गवर्नमेंट के मेमोरेण्डम और ब्रिटिश एक्सपर्ट्स के प्रोपीनियन की बुनियाद पर जब पब्लिक सेक्टर में हिंदुस्तान में चौथा स्टील प्लांट खुलगा तो बोकारो में उस प्लांट के खोलने के प्रस्ताव पर विशेष रूप से नहीं लेकिन विचार अवश्य किया जायगा और उनका उत्तर बहुत संतोषजनक हुआ।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—वह चौथा प्लांट बनने की उम्मीद है?

श्री बीर चन्द पटेल—ऐसा दामोदर नदी पर रेल-कम-रोड पुल बनाने पर ही हो सकता है। ऐसी आशा की जाती है कि कम-से-कम दो साल इसमें लगेंगे और पुल बनाने का प्रोजेक्ट लोक निर्माण विभाग से कंसल्ट करके इंडस्ट्रीज डिपार्टमेंट गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के पास भेज रहा है।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—बिहार सरकार ने पुल बनाने की योजना अपने हाथ में लिया है या नहीं?

अध्यक्ष—इसमें तो रेलवे डिपार्टमेंट से बात होगी।

श्री बीर चन्द पटेल—जहां तक बोकारो को डेव्हलप करने का सवाल है गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के पास स्टेट गवर्नमेंट ने अभी रेल-कम-रोड ब्रिज के लिए फोरमल तरीके पर नहीं लेकिन इस प्रस्ताव को अपने पी० डब्ल्यू० डी० को कंसल्ट करके भेजने का निश्चय कर लिया है और आशा है कि उसकी मंजूरी में कोई दिक्कत नहीं होगी।

अध्यक्ष—ऐसा नहीं हो सकता कि पुल को रेलवे बनावे?

श्री बीर चन्द पटेल—संभव है, लेकिन अभी बिहार गवर्नमेंट अपना प्रोजेक्ट भेज रही है और अगर रेलवे बनाना चाहे तो बिहार गवर्नमेंट को और भी आसानी होगी।  
श्री सरयू प्रसाद—क्या सरकार के सामने ऐसा प्रस्ताव है कि बोकारो में जो प्लांट बनने वाला है वह द्वितीय पंचवर्षीय योजना में है?

**श्री बीर चन्द पटेल**—द्वितीय पंचवर्षीय योजना में इसको शामिल करने का प्रश्न

अभी कहाँ उठता है? उसमें वही स्कीम आती है जिसको बनाने में हाथ लगाने की बात होती है। जबतक रेल-कम-रोड ब्रिज दामोदर नदी पर बने नहीं जाता तबतक बोकारो में स्टील फैक्ट्री की बात योजना के रूप में नहीं आ सकती। लेकिन जहाँतक हम लोग देख सकते हैं इसकी पूर्ण आशा है कि चौथा स्टील प्लांट जो हिन्दुस्तान में खुलेगा वह बोकारो में ही खुलेगा।

**श्री सरयू प्रसाद**—क्या यह में समझू कि चौथा स्टील प्लांट द्वितीय पंचवर्षीय योजना के बीच ही होगा।

**अध्यक्ष**—यह आपके समझने की बात नहीं है।

**श्री जगन्नाथ सिंह**—मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि क्या यह बात सही नहीं है कि द्वितीय पंचवर्षीय योजना में बोकारो में रेलवे-लिकालने के लिये १,५०० करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं?

**श्री बीर चन्द पटेल**—इसके लिये सूचना चाहिए।

**श्री जगन्नाथ सिंह**—क्या यह बात सही है कि द्वितीय पंचवर्षीय योजना में बोकारो के विकास के लिये रेल-कम-रोड ब्रिज वहाँ बनाने के लिये प्रस्तावित है जिससे कि वहाँ चौथे प्लांट की स्थापना कार्यान्वित हो सके? ऐसा न हो जाय कि इसके लिये फंड नहीं रहे।

**श्री बीर चन्द पटेल**—इसका मैंने उत्तर दे दिया है कि रोड-कम-रेल ब्रिज बनाने की जो योजना है उसे स्टेट गवर्नमेंट ने केन्द्रीय सरकार के साथ ठीक करके इसे अपने हाथ में ले लिया है और यह ऐक्टिव स्टेज में है। द्वितीय पंचवर्षीय योजना में इसका लिये फंड नहीं रहेगा ऐसा नहीं हो सकता है।

**Shri JAGANNATH SINGH** : Is it a fact that steps are being taken for constructing rail-cum-road bridge at Bokaro?

**Shri BIR CHAND PATEL** : Definitely, steps are being taken for the construction of rail-cum-road bridge at Bokaro.

**Shri JAGANNATH SINGH** : What steps are being taken and what is the estimated expenditure for the development of Bokaro in order to enable the installation of another plant there?

**Shri BIR CHAND PATEL** : For that I would request the hon'ble member to put another question.

**Shri GIRIJA NANDAN SINGH** : Is it not a fact that the State Government totally failed to put their case for the fourth plant at Bokaro before the Government of India?

**Shri BIR CHAND PATEL :** Definitely "No". The Government put their case so convincingly before the Government of India experts that Bokaro was selected as the site for the fourth plant.

**Shri GIRIJA NANDAN SINGH :** Is it not a fact that the experts were of opinion that Bokaro was not a suitable site ?

**Shri BIR CHAND PATEL :** It is not so.

**SPEAKER :** This question does not arise when the expert opinion was that Bokaro was a suitable site.

#### GRANT OF PERMIT TO SHRI YUDHISTHIR SINGH.

**277. Shri HARBANS NARAIN SINGH :** Will the Transport Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that Shri Yudhisthir Singh of village Ramdauli, P. O. Bidupur, district Muzaffarpur, was granted a public carrier permit, by the North Bihar Regional Transport Authority at its meeting, held on the 16th July, 1955 ;

(2) whether it is a fact that Shri Yudhisthir Singh submitted his Registration Certificate and other connected papers before the Secretary, North Bihar Regional Transport Authority, Muzaffarpur, in the third week of July, 1955, for the issue of necessary permit ;

(3) whether it is a fact that the applicant has not yet been able to get the permit even after drawing the attention of the Chairman, North Bihar Regional Transport Authority, Muzaffarpur, to this effect on the 21st September, 1955 ;

(4) whether it is a fact that due to the negligence of the Secretary, North Bihar Regional Transport Authority, the tax period is fast expiring and the applicant is being put to a loss of nearly hundred rupees ;

(5) if the answers to the aforesaid clauses be in the affirmative, what action Government contemplate to take against the authority concerned for unduly harassing the applicant, if not, why ?

श्री बीर चन्द पटेल—(१) (२) और (३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) और (५) हाँ, यह बात सही है कि ५ अगस्त, १९५५ को सभी कागजात पार्थी द्वारा परमिट के लिए प्रस्तुत कर दिया गया, किन्तु ५ अगस्त, १९५५ तक पार्थी ने परमिट लेने के लिए स्वयं या किसी प्राधिकृत व्यक्ति को सचिव के पास नहीं भेजा। इसलिए उन्हें परमिट नहीं दिया जा सका। २१ सितम्बर, १९५५ को जब कि पार्थी ने समापति के पास इस सम्बन्ध में आवेदन-पत्र दिया तब उनकी गाड़ी श्री अच्छाई का प्रमाण-पत्र समाप्त हो चुका था, इसलिए उस समय उन्हें परमिट नहीं दिया जा सकता था। और परमिट तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि पुनः अच्छाई का प्रमाण-पत्र के साथ कागजात दाखिल न किए जायें।